Hindi Murli Quiz 18-10-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **यह सिमरण करना है --मैं 84 जन्म ले पार्ट बजाता हूँ , शरीर धारण करता हूँ I जब यह सिमरण चलता रहे तब कहें यह पूरा त्रिकालदर्शी है और दूसरे को भी त्रिकालदर्शी बनाने का पुरुषार्थ कर रहे हैं.I**

A. False

B. True

Q.2) **_____का ज्ञान ही श्रेष्ठ भाग्य की लकीर खींचने का कलम है I (आज के स्लोगन के अनुसार ,निम्नलिखित उत्तरों में केवल एक ही सही है, उसपर टिक करके स्लोगन पूरा करिएगा I)**

A. सृष्टि के आदि -मध्य -अन्त का ज्ञान I

B. श्रेष्ठ कर्म का ज्ञान I

C. रचना -रचयिता का ज्ञान I

D. ड्रामा का ज्ञान I

Q.3) **यह _____ बहुत सहज है , पद का आधार गरीबी वा साहूकारी पर नही, लेकिन _____ पर है ,इसलिए _____ पर पूरा ध्यान दो I (नीचे दिए गये उत्तरों में से उपरोक्त तीनो रिक्त स्थानों के लिए एक ही सही उत्तर है ,उसे टिक करके वाक्य को पूरा करें)**

A. सेवा

B. धारणा

C. पढाई ,

D. योग

Q.4) **ब्रह्मा के हाथ में शास्त्र दिखाते हैं, परन्तु ब्रह्मा को तो ज्ञान सागर नहीं कहेंगे I परमपिता परमात्मा इनमे आकर इन द्वारा सभी वेद-शास्त्रों का सार बताते हैं I ब्रह्मा शास्त्रों का सार नहीं सुनाते I**

A. False

B. True

Q.5) **इन्हें मिलाइये----**

	Choice	Match
A	ईश्वर का रूप तो निराकार है I	ईश्वर का रूप न जानने कारण ब्रह्म तत्व कह देते हैं I
B	सारे 84 जन्मों का पार्ट छोटी -सी बिन्दी रूप आत्मा में मर्ज है I	जो फिर इमर्ज होता है I
C	शिवबाबा आकर प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा पढ़ाते हैं I	इसको ज्ञान का कलष कहा जाता है I
D	जिसको शान्ति का वर्सा मिलना है वो कल्प -कल्प वही लेंगे I	तुम अब पुरुषार्थ कर रहे हो सुख का वर्सा लेने के लिए I
E	मनुष्य जिस्मानी शक्ति दिखलाते हैं I	तुम रुहानी शक्ति दिखलाते हैं I
F	ज्ञान की शंख ध्वनि करने वाले बाप को अति प्रिय हैं I	बाप का परिचय भी ज्ञान से वे देंगे ना I

Explanation :

Q.6) **आज की मुरली के अनुसार -ज्ञानी तू आत्मा का पहला लक्षण कौन सा है ? (निम्न उत्तरों में एक ही सही उत्तर है I उसे टिक करके फुल मार्क्स लीजिए)**

A. स्वराज्य अधिकारी स्थिति में रहना I

B. सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करना I

C. त्रिकालदर्शी बनना I

D. कोई भी कर्म करने से पहले सोचना फिर करना I

Q.7) **इन्हें मिलाइये -----**

	Choice	Match
A	वह परम शिक्षक अर्थात् ज्ञान का सागर ऊँच ते ऊँच है I	उनको ही ऊँच ते ऊँच बाप कहा जाता है I
B		फिर भी वह नशा स्थाई नही रहता I

	तुम बच्चों की बुद्धि में है की यह हमारा बेहद का मात-पिता,पति आदि सब हैं I	
C	जिस्मानी भक्त जिस्मानी चीज को याद करते हैं I	तो भी आत्मा इतनी पिताव्रता है जो अपने निराकार बाप को जरूर याद करती है I
D	भक्ति मार्ग में नही कहते की हमको 21 जन्म के लिए वर्सा दो I	परन्तु यहाँ हम डायरेक्ट अपने को 21 जन्म के लिए इन्श्योर करते हैं I
E	भल कोई भी साधु-सन्त अथवा रिद्धि -सिद्धि वाला हो।	देने वाला सबको ईश्वर है I
F	बाप कहते - हे आत्माओं मुझे याद करो I	तो अन्त मती सो गति हो जायेगी I

Explanation :

Q.8) **इन्हें मिलाइये ---**

	Choice	Match
A	गरीब एक रुपया करें,साहूकार 5 हजार करे I	एवजा दोनों को बराबर मिलना है I
B	गरीब अच्छा पढते हैं तो उनका पद साहूकार से भी ऊँच हो जाता है I	सारा मदार पढाई पर है चूँकि पढाई ही कमाई है I
C	बड़ी सस्ती और सहज पढाई है I	सिर्फ इस मनुष्य सृष्टि झाड़ के आदि ,मध्य,अन्त को जानना है I
D	सब एक जैसे तो नहीं हैं,कोई बड़ी,कोई छोटी नदी है I	पढते सब अपने -अपने पुरुषार्थ अनुसार हैं I
E	त्रिकालदर्शी कोई हो नहीं सकता I	सब कह देते बेअन्त है I
F	वह लोग तो कह देते आत्मा निर्लेप है ,पतित बन नहीं सकती I	परन्तु नहीं,एक परमात्मा को छोड़कर बाकी तो सबमे खाद पड़नी ही है I

Explanation :

Q.9) **शिवबाबा से मिलाने से पहले आत्मा को क्या निश्चय होना चाहिये, जिसे वह लिखकर दे ? (फुल मार्क्स लेने के लिये सभी सही उत्तरों पर टिक करें)**

- **A.** ईश्वर सर्वव्यापी नही है ,वह तो बेहद का बाप है I
- **B.** इतना समय जो समझते आये सो रांग है I
- **C.** यह जो कहते बरोबर ठीक है I
- **D.** भारत को कल्प-कल्प संगम पर बेहद के बाप दुवारा वर्सा मिलता है ।अब फिर मिल रहा है I
- **E.** परमात्मा ब्रह्मा में आकर वर्सा दे रहा है I

Q.10) **आजके वरदान के अनुसार : एक सेकण्ड में तीनो लोकों की सैर करने के लिए बुद्धि रूपी विमान में डबल रिफाइन पेट्रोल की आवश्यकता है I डबल रिफाइन पेट्रोल अर्थात ---------. (फुल मार्क्स लेने के लिए सभी सही उत्तरों पर टिक करें)**

- **A.** निराकारी निश्चय का नशा की में आत्मा हूँ,निराकारी बाप का बच्चा हूँ I
- **B.** साकार रूप में बाप से सर्व संबंधों का नशा और ख़ुशी I